भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3211

दिनांक 13, दिसम्बर 2024 को उत्तर के लिए

आंगनवाड़ी में शिशुगृह

3211. श्री दर्शन सिंह चौधरी:

क्या महिला और बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार का देशभर के आंगनवाड़ी केंद्रों में शिशुगृह (क्रेश) स्थापित करने का विचार है;
- (ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
- (ग) सरकार द्वारा स्वीकृत शिशुगृहों की संख्या कितनी है तथा शेष शिशुगृहों को कब तक स्वीकृत किए जाने की संभावना है?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ग): आंगनवाड़ी केंद्र दुनिया के सबसे बड़े बाल देखभाल संस्थान हैं जो अंतिम मील तक देखभाल सुविधाओं का वितरण सुनिश्चित करते हुए बच्चों को आवश्यक देखभाल और सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। अपनी तरह के पहले दृष्टिकोण में, मंत्रालय ने पालना योजना के माध्यम से आंगनवाड़ी सह शिशुगृह (एडब्ल्यूसीसी) के माध्यम से बाल देखभाल की सेवाओं का विस्तार किया है। इससे सुरक्षित वातावरण में उनके हितों का ध्यान रखते हुए पूरे दिन बाल देखभाल सहायता की सुविधा मिलेगी। पालना का उद्देश्य बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष की आयु तक) के लिए सुरक्षित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिशुगृह सुविधा, पोषण संबंधी सहायता, बच्चों के स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक विकास, विकास निगरानी और

टीकाकरण की सुविधा प्रदान करना है। पालना के तहत सभी माताओं को शिशु गृह सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, चाहे उनकी रोजगार की स्थिति कुछ भी हो।

व्यापक 'मिशन शक्ति' के हिस्से के रूप में, 15वें वित्त आयोग की अवधि (यानी वित्त वर्ष 2025-26 तक) के दौरान पालना योजना के तहत कुल 17,000 आंगनवाड़ी-सह-शिशुगृह (एडब्ल्यूसीसी) की स्थापना को मंजूरी दी गई है। आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना एवं प्रचालन हेतु प्रस्ताव संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त होते हैं, जो इस योजना के कार्यान्वयन में अपना समानुपाती अंशदान के लिए भी उत्तरदायी होते हैं। विभिन्न राज्यों/संघ राज्य से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार 31.10.2024 तक मंत्रालय द्वारा कुल 10,609 आंगनवाड़ी केंद्रों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से संबंधित राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा 1,241 आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन शुरू कर दिया गया है।